

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भारत II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

त्राधिकार से श्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 273] नई विल्ली, बृहस्पतिबार, जुलाई 25, 1991/आवण 3, 1913 No. 273] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 25, 1991/SRAVANA 3, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संस्राणन के रूप में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

भादेश

नर्ष्ट दिल्ली, 25 जुलाई, 1991

सा. का. नि. 503(अ) :- स्थापक औषाध-द्रथ्य और मन. प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण प्रधिनियम, 1988 (1988 का 46) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री सिकन्दर खान को उक्त ग्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए विशेष रूप से सशक्त करती है।

[फा. सं. 820/6/91 - पी. आई टी एन की पी एस]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## ORDER

New Delhi, the 25th July, 1991

G.S.R. 503(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 (46 of 1988), the Central Government hereby specially empowers Shri Sikandar Khan, Joint Secretary to the Government of India, for the purpose of the said Act.

[F. No. 820|6|91-PITNDPS]

## भावेष

सा. का. ति. 503(प्र):— स्वापंक भौषध-प्रथ्य ग्रीर मनः प्रभावी प्रयुध ग्रेश व्यापार निकारण ग्राधिनियम, 1988 (1988 का 48) की धारा 3 की उपभारा (1) द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केल्कीय सरकार एतव्दारा भारत सरकार के संयुक्त सचिव थी ही. के. भाषार्थी को उक्त श्रिष्ठिनियम के प्रयोधनों के लिए विशेष रूप से संशक्त करती है।

[फा. सं. 820/6/91/पी. माई.डी. एन. डी. पी. एस.] टी. एस. सन्ध, धवर सचिव

## ORDER

G.S.R. 503 (E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 (46 of 1988), the Central Government hereby specially empowers Shri D. K. Acharyya, Joint Secretary to the Government of India, for the purpose of the said Act.

[F. No. 820[6]91-PITNDPS]
T. S. SANDHU, Under Secy.